ऋणपत्रों के लिए लेखांकन

इस अध्याय के सभी महत्वपूर्ण प्रश्न – उत्तर सहित। पहले खुद हल करने की कोशिश करो, फिर उत्तर मिलाओ।

अभ्यास प्रश्न-उत्तर (हर टॉपिक से)

» ऋणपत्र का आशय और विशेषताएँ

प्रश्न 1 (आसान). ऋणपत्र शब्द किस भाषा के शब्द 'डिबेयर' से आया है?
उत्तर – लैटिन

प्रश्न 2 (आसान). क्या ऋणपत्रधारकों को कंपनी की बैठकों में वोट देने का अधिकार होता है?
उत्तर – नहीं

प्रश्न 3 (मध्यम). ऋणपत्र और अंश के बीच एक मुख्य अंतर बताओ.
उत्तर – ऋणपत्रधारक कंपनी के लेनदार होते हैं और उन्हें ब्याज़ मिलता है, जबकि अंशधारक कंपनी के मालिक होते हैं और उन्हें लाभ का हिस्सा (लाभांश) मिलता है.

प्रश्न 4 (कठिन). कंपनी के लिए ऋणपत्र दीर्घकालिक वित्त का एक स्रोत कैसे है, समझाओ.
उत्तर – ऋणपत्र कंपनी को एक निश्चित अवधि (जैसे 5, 7, 10 साल) के लिए बड़ी मात्रा में धन उधार लेने में मदद करते हैं. यह पैसा कंपनी को अपनी विस्तार योजनाओं, नई परियोजनाओं या बड़े पूंजीगत खर्चों के लिए लंबे समय तक उपलब्ध रहता है, जिससे यह दीर्घकालिक वित्त का एक महत्वपूर्ण स्रोत बन जाता है.

» अंश और ऋणपत्र के बीच अंतर

प्रश्न 5 (आसान). कंपनी का मालिक कौन कहलाता है - अंशधारक या ऋणपत्रधारक?
उत्तर – अंशधारक

प्रश्न 6 (आसान). कंपनी के लाभ पर निश्चित ब्याज किसे मिलता है?
उत्तर – ऋणपत्रधारक को

प्रश्न 7 (मध्यम). यदि कंपनी को घाटा हो, तो क्या अंशधारक को कुछ मिलेगा? और ऋणपत्रधारक को?
उत्तर – अंशधारक को कोई लाभांश नहीं मिलेगा. ऋणपत्रधारक को फिर भी उसका ब्याज मिलेगा.

प्रश्न 8 (कठिन). किसके पास कंपनी के निर्णयों में मतदान का अधिकार होता है - अंशधारक या ऋणपत्रधारक? और क्यों?
उत्तर – अंशधारक के पास मतदान का अधिकार होता है क्योंकि वे कंपनी के मालिक होते हैं, जबकि ऋणपत्रधारक केवल लेनदार होते हैं और उन्हें मतदान का अधिकार नहीं होता है.

» ऋणपत्रों के प्रकार

प्रश्न 9 (आसान). वे ऋणपत्र जिन पर कंपनी की कोई संपत्ति गिरवी रखी जाती है, क्या कहलाते हैं?
उत्तर – रक्षित ऋणपत्र

प्रश्न 10 (आसान). क्या कंपनी ऐसे ऋणपत्र जारी कर सकती है जिन पर कोई ब्याज दर नहीं होती?
उत्तर – हाँ, शून्य कूपन दर ऋणपत्र

प्रश्न 11 (मध्यम). अगर कोई ऋणपत्रधारक अपने ऋणपत्रों को कंपनी के अंशों में बदल सकता है, तो वे किस प्रकार के ऋणपत्र हैं?
उत्तर – परिवर्तनीय ऋणपत्र

प्रश्न 12 (कठिन). एक ऋणपत्र जिसे कंपनी तब तक वापस नहीं करती जब तक वह बंद न हो जाए या बहुत लंबी अवधि न हो जाए, उसे क्या कहते हैं?

उत्तर – अमोचनीय ऋणपत्र

» ऋणपत्रों का निर्गमन: सममूल्य पर

प्रश्न 13 (आसान). अगर एक ऋणपत्र ₹50 का है और कंपनी उसे ₹50 में ही बेचती है, तो इसे किस प्रकार का निर्गमन कहेंगे?

उत्तर – सममूल्य पर निर्गमन

प्रश्न 14 (आसान). अगर ऋणपत्र की पूरी राशि आवेदन के साथ ही मिल जाए, तो कितनी जर्नल प्रविष्टियाँ होंगी?

उत्तर – दो जर्नल प्रविष्टियाँ

प्रश्न 15 (मध्यम). एबीसी लिमिटेड ने ₹200 वाले 1,000 ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए। आवेदन पर ₹80 और आबंटन पर शेष राशि देय है। सभी आवेदन मिले और राशियाँ प्राप्त हुईं। आवेदन पर बैंक में कितनी राशि आएगी?

उत्तर – ₹80,000

प्रश्न 16 (कठिन). पीक्यूआर लिमिटेड ने ₹100 वाले 500 ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए। ₹30 आवेदन पर, ₹40 आबंटन पर और शेष ₹30 प्रथम माँग पर देय हैं। सभी राशियाँ प्राप्त हो गईं। प्रथम माँग के लिए कौन सी दो जर्नल प्रविष्टियाँ होंगी?

उत्तर – 1. ऋणपत्र प्रथम माँग खाता डेबिट 15,000 / 10% ऋणपत्र खाता क्रेडिट 15,000

2. बैंक खाता डेबिट 15,000 / ऋणपत्र प्रथम माँग खाता क्रेडिट 15,000

» ऋणपत्रों का निर्गमन: बट्टे पर

प्रश्न 17 (आसान). अगर एक ऋणपत्र का अंकित मूल्य ₹50 है और उसे ₹48 में जारी किया जाता है, तो बट्टे की राशि क्या होगी?

उत्तर – ₹2

प्रश्न 18 (आसान). ऋणपत्रों के निर्गमन पर बट्टा कंपनी के लिए _____ होता है। (लाभ / हानि)

उत्तर – हानि

प्रश्न 19 (मध्यम). X लिमिटेड ने ₹100 वाले 5,000, 10% ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी किए। सभी राशि आवेदन पर ही प्राप्त हुई। आवश्यक जर्नल एंट्री करें।

उत्तर – बैंक खाता डेबिट ₹4,50,000 (5,000 × ₹90); ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाता क्रेडिट ₹4,50,000।

ऋणपत्र आवेदन व आबंटन खाता डेबिट ₹4,50,000;

ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता डेबिट ₹50,000 (5,000 × ₹10);

10% ऋणपत्र खाता क्रेडिट ₹5,00,000।

» ऋणपत्रों का निर्गमन: प्रीमियम पर

प्रश्न 20 (आसान). एक ऋणपत्र का अंकित मूल्य ₹100 है. यदि इसे ₹105 पर जारी किया जाता है, तो प्रीमियम की राशि कितनी होगी?

उत्तर – ₹5

प्रश्न 21 (आसान). प्रीमियम पर जारी ऋणपत्रों की प्रीमियम राशि को किस खाते में दिखाया जाता है?

उत्तर – प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाता

प्रश्न 22 (मध्यम). Z Limited ने ₹50 वाले 2,000 ऋणपत्र ₹5 प्रीमियम पर जारी किए. आवेदन पर ₹20 और आबंटन पर ₹35 (प्रीमियम सहित) देय थे. आबंटन के समय प्रीमियम के लिए जर्नल प्रविष्टि बनाइए.

उत्तर – जर्नल प्रविष्टि:

ऋणपत्र आबंटन खाता Dr. (2,000 * ₹35) = ₹70,000

ऋणपत्र खाते से (2,000 * ₹30) = ₹60,000

प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते से (2,000 * ₹5) = ₹10,000

प्रश्न 23 (कठिन). PQR Ltd. ने ₹200 वाले 1,000, 9% ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर जारी किए. आवेदन पर ₹70, आबंटन पर ₹80 (प्रीमियम सहित), और शेष प्रथम व अंतिम मांग पर देय थे. सभी ऋणपत्रों का पूर्ण अभिदान हुआ और सारी राशि प्राप्त हो गई. आवेदन और आबंटन के लिए जर्नल प्रविष्टियाँ दीजिए.

उत्तर – अंकित मूल्य = ₹200

प्रीमियम = 10% का ₹200 = ₹20

निर्गमन मूल्य = ₹200 + ₹20 = ₹220

आवेदन = ₹70

आबंटन = ₹80 (प्रीमium सहित, तो मूल राशि ₹60 और प्रीमियम ₹20)

प्रथम व अंतिम मांग = ₹220 - ₹70 - ₹80 = ₹70

1. आवेदन राशि प्राप्त होने पर:

बैंक खाता Dr. (1,000 * ₹70) = ₹70,000

9% ऋणपत्र आवेदन खाते से = ₹70,000

2. आवेदन राशि को ऋणपत्र खाते में हस्तांतरित करने पर:

9% ऋणपत्र आवेदन खाता Dr. = ₹70,000

9% ऋणपत्र खाते से = ₹70,000

3. आबंटन राशि देय होने पर (प्रीमियम सहित):

9% ऋणपत्र आबंटन खाता Dr. (1,000 * ₹80) = ₹80,000

9% ऋणपत्र खाते से (1,000 * ₹60) = ₹60,000

प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते से (1,000 * ₹20) = ₹20,000

4. आबंटन राशि प्राप्त होने पर:

बैंक खाता Dr. = ₹80,000

9% ऋणपत्र आबंटन खाते से = ₹80,000

» अधिविभाजन (Over-subscription) की स्थिति में ऋणपत्र निर्गमन

प्रश्न 24 (आसान). जब कंपनी 5,000 ऋणपत्र जारी करती है और उसे 7,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त होते हैं, तो यह किस स्थिति का उदाहरण है?

उत्तर – अधिविभाजन (Over-subscription)

प्रश्न 25 (आसान). अधिविभाजन की स्थिति में, कंपनी कितने ऋणपत्र आबंटित कर सकती है: 5,000 या 7,000?

उत्तर – केवल 5,000 ऋणपत्र

प्रश्न 26 (मध्यम). एक कंपनी ने 10,000 ऋणपत्र जारी किए। आवेदन 12,000 के लिए आए। आवेदन पर ₹30 थे। अतिरिक्त 2,000 आवेदनों का क्या किया जाएगा?

उत्तर – उनकी आवेदन राशि वापस की जाएगी या आबंटन पर समायोजित की जाएगी।

प्रश्न 27 (कठिन). Y लिमिटेड ने 20,000 ऋणपत्र निर्गमित किए। 25,000 के लिए आवेदन आए। 2,000 आवेदनों को अस्वीकार किया गया, और बाकी पर प्रो-राटा आधार पर आबंटन किया गया। आवेदन पर ₹25 देय थे। आबंटन पर कितना पैसा समायोजित होगा?

उत्तर – कुल आवेदन 25,000 - अस्वीकृत 2,000 = 23,000 आवेदन प्रो-राटा पर थे। कंपनी ने 20,000 ऋणपत्र दिए। तो 3,000 आवेदनों का अतिरिक्त पैसा (3,000 * ₹25 = ₹75,000) आबंटन पर समायोजित होगा।

» रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर ऋणपत्रों का निर्गमन

प्रश्न 28 (आसान). गीता लिमिटेड ने 50,000 रुपये की मशीन खरीदी और बदले में 100 रुपये वाले 10% ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए। जर्नल एंट्री दें।

उत्तर – 1. मशीनरी खाता डेबिट 50,000 रुपये, विक्रेता खाता क्रेडिट 50,000 रुपये।

2. विक्रेता खाता डेबिट 50,000 रुपये, 10% ऋणपत्र खाता क्रेडिट 50,000 रुपये।

प्रश्न 29 (आसान). एक कंपनी ने 1,50,000 रुपये का फर्नीचर खरीदा। इसके बदले में उसने 100 रुपये के ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर जारी किए। जर्नल एंट्री दें।

उत्तर – 1. फर्नीचर खाता डेबिट 1,50,000 रुपये, विक्रेता खाता क्रेडिट 1,50,000 रुपये।

2. विक्रेता खाता डेबिट 1,50,000 रुपये, ऋणपत्र खाता क्रेडिट 1,36,364 रुपये (लगभग), प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाता क्रेडिट 13,636 रुपये (लगभग)। (1,50,000 / 110 * 100 = 136363.63, 1,50,000 / 110 * 10 = 13636.36)

प्रश्न 30 (मध्यम). प्रगति लिमिटेड ने 1,90,000 रुपये की परिसंपत्तियाँ खरीदीं। भुगतान के लिए कंपनी ने 100 रुपये वाले ऋणपत्र 5% बट्टे पर जारी किए। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ करें।

उत्तर – 1. विविध परिसंपत्तियाँ खाता डेबिट 1,90,000 रुपये, विक्रेता खाता क्रेडिट 1,90,000 रुपये।

2. विक्रेता खाता डेबिट 1,90,000 रुपये, ऋणपत्र निर्गमन पर बट्टा खाता डेबिट 10,000 रुपये (2,000 ऋणपत्र * 5 रुपये बट्टा), ऋणपत्र खाता क्रेडिट 2,00,000 रुपये (1,90,000 / 95 * 100 = 2,00,000).

प्रश्न 31 (कठिन). अजय लिमिटेड ने विजय ट्रेडर्स से 3,00,000 रुपये की परिसंपत्तियाँ और 50,000 रुपये के दायित्व (लेनदार) लिए। क्रय प्रतिफल 2,80,000 रुपये तय हुआ। कंपनी ने 100 रुपये वाले 10% ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर जारी किए। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दें।

उत्तर – 1. विविध परिसंपत्तियाँ खाता डेबिट 3,00,000 रुपये, विविध दायित्व खाता क्रेडिट 50,000 रुपये, विजय ट्रेडर्स खाता क्रेडिट 2,80,000 रुपये, ख्याति खाता डेबिट 30,000 रुपये (संतुलन राशि)।

2. विजय ट्रेडर्स खाता डेबिट 2,80,000 रुपये, 10% ऋणपत्र खाता क्रेडिट 2,54,545 रुपये (लगभग), प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाता क्रेडिट 25,455 रुपये (लगभग)। (2,80,000 / 110 * 100 = 254545.45, 2,80,000 / 110 * 10 = 25454.54)

» संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों का निर्गमन

प्रश्न 32 (आसान). संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र जारी करने पर क्या कंपनी को नकद राशि मिलती है?

उत्तर – नहीं, कंपनी को सीधे नकद राशि नहीं मिलती।

प्रश्न 33 (आसान). संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में जारी किए गए ऋणपत्रों का मुख्य उद्देश्य क्या है?

उत्तर – ऋण के लिए अतिरिक्त सुरक्षा प्रदान करना।

प्रश्न 34 (मध्यम). ABC लिमिटेड ने बैंक से 8 लाख रुपये का ऋण लिया और संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 9,000, 10% ऋणपत्र, प्रत्येक 100 रुपये का जारी किया। यदि कोई जर्नल एंट्री नहीं की जाती है, तो इसे बैलेंस शीट में कैसे दिखाएंगे?
उत्तर – बैलेंस शीट में 'दीर्घकालीन ऋण' के नोट टू अकाउंट्स में, 'रक्षित बैंक ऋण' (8,00,000 रुपये) के नीचे टिप्पणी के रूप में दिखाएंगे: '(9,000, 10% ऋणपत्र, 100 रुपये प्रत्येक का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन)'।

प्रश्न 35 (कठिन). XYZ लिमिटेड ने एक बैंक से 15,00,000 रुपये का दीर्घकालीन ऋण लिया। कंपनी ने प्राथमिक प्रतिभूति के रूप में अपनी फैक्ट्री की इमारत गिरवी रखी और संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 20,000, 9% ऋणपत्र, प्रत्येक 100 रुपये का जारी किया। द्वितीय विधि के अनुसार आवश्यक जर्नल एंट्री करें और बैलेंस शीट में दीर्घकालीन ऋण का प्रदर्शन कैसे होगा, यह भी बताएं।
उत्तर – जर्नल एंट्री: ऋणपत्र उचंती खाता डेबिट 20,00,000 रुपये से, 9% ऋणपत्र खाते से क्रेडिट 20,00,000 रुपये से। बैलेंस शीट में: 'दीर्घकालीन ऋण' के नोट टू अकाउंट्स में, 'रक्षित बैंक ऋण' (15,00,000 रुपये) के नीचे ऋणपत्रों का कुल मूल्य (20,00,000 रुपये) लिखा जाएगा, और उसमें से ऋणपत्र उचंती खाता (20,00,000 रुपये) घटाया जाएगा, जिससे शुद्ध राशि 15,00,000 रुपये ही दिखेगी।

» ऋणपत्रों के निर्गम और मोचन की शर्तें

प्रश्न 36 (आसान). 100 रुपये के ऋणपत्र को सममूल्य पर निर्गमित किया गया और सममूल्य पर ही मोचित किया गया। जर्नल एंट्री क्या होगी?
उत्तर – बैंक खाता Dr.; ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से Cr. फिर ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता Dr.; ऋणपत्र खाते से Cr.

प्रश्न 37 (आसान). अगर एक कंपनी 100 रुपये का ऋणपत्र 10% प्रीमियम पर जारी करती है और सममूल्य पर मोचित करती है, तो निर्गम की जर्नल एंट्री क्या होगी?
उत्तर – बैंक खाता Dr. 110 रुपये; ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से Cr. 110 रुपये। फिर ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता Dr. 110 रुपये; ऋणपत्र खाते से Cr. 100 रुपये; प्रतिभूति प्रीमियम आरक्षित खाते से Cr. 10 रुपये।

प्रश्न 38 (मध्यम). एक्स लिमिटेड ने 100 रुपये के 1,000 ऋणपत्र 10% बट्टे पर जारी किए और सममूल्य पर मोचन किया। जर्नल एंट्री पास करें।
उत्तर – बैंक खाता Dr. 90,000; ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से Cr. 90,000। फिर ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता Dr. 90,000; ऋणपत्रों के निर्गम पर बट्टा खाता Dr. 10,000; ऋणपत्र खाते से Cr. 1,00,000।

प्रश्न 39 (कठिन). वाई लिमिटेड ने 500 ऋणपत्र, प्रत्येक 100 रुपये का, सममूल्य पर निर्गमित किया। इन्हें 10% प्रीमियम पर मोचित किया जाएगा। जर्नल प्रविष्टियाँ दें।
उत्तर – बैंक खाता Dr. 50,000; ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से Cr. 50,000। फिर ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता Dr. 50,000; ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि खाता Dr. 5,000; ऋणपत्र खाते से Cr. 50,000; ऋणपत्रों के मोचन पर प्रीमियम खाते से Cr. 5,000।

» ऋणपत्रों पर ब्याज का लेखांकन

प्रश्न 40 (आसान). एक कंपनी ने ₹5,00,000 के 8% ऋणपत्र जारी किए। ब्याज अर्ध-वार्षिक देय है। एक बार में देय ब्याज की राशि कितनी होगी?
उत्तर – ₹5,00,000 * 8% * (6/12) = ₹20,000

प्रश्न 41 (आसान). यदि ₹20,000 के ब्याज पर 10% TDS काटा जाता है, तो ऋणपत्र धारकों को कितना भुगतान किया जाएगा?
उत्तर – ₹20,000 - (₹20,000 * 10%) = ₹18,000

प्रश्न 42 (मध्यम). 1 जुलाई, 2023 को, ज़ेड लिमिटेड ने ₹20,00,000 के 9% ऋणपत्र जारी किए। ब्याज का भुगतान अर्ध-वार्षिक रूप से 31 दिसंबर और 30 जून को होता है। TDS की दर 10% है। 31 दिसंबर, 2023 को ब्याज देय होने के लिए जर्नल एंट्री दें।

उत्तर – Debenture Interest A/c Dr. ₹90,000 (₹20L * 9% * 6/12)
To Debenture Holders A/c ₹81,000
To TDS Payable A/c ₹9,000

प्रश्न 43 (कठिन). एक कंपनी ने 1 जनवरी, 2023 को ₹50,00,000 के 12% ऋणपत्र जारी किए। ब्याज का भुगतान 30 सितंबर और 31 मार्च को अर्ध-वार्षिक होता है। TDS की दर 10% है। कंपनी की किताबें 31 मार्च को बंद होती हैं। 31 मार्च, 2024 को ब्याज से संबंधित सभी आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दें, जिसमें ब्याज को लाभ और हानि विवरण में हस्तांतरित करना भी शामिल है।

उत्तर – 1. 31 March 2024 (ब्याज देय): Debenture Interest A/c Dr. ₹3,00,000 (₹50L * 12% * 6/12)
To Debenture Holders A/c ₹2,70,000
To TDS Payable A/c ₹30,000
2. 31 March 2024 (भुगतान): Debenture Holders A/c Dr. ₹2,70,000
To Bank A/c ₹2,70,000
3. 31 March 2024 (TDS जमा): TDS Payable A/c Dr. ₹30,000
To Bank A/c ₹30,000
4. 31 March 2024 (P&L में ट्रांसफर): Statement of P&L Dr. ₹6,00,000 (पूरे साल का ब्याज: Sept 2023 ka ₹3L + March 2024 ka ₹3L)
To Debenture Interest A/c ₹6,00,000

» ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा/हानि का अपलेखन

प्रश्न 44 (आसान). अगर ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा ₹50,000 है और प्रतिभूति प्रीमियम संचय में ₹70,000 हैं, तो अपलेखन के लिए प्रतिभूति प्रीमियम संचय से कितनी राशि का उपयोग होगा?

उत्तर – ₹50,000

प्रश्न 45 (आसान). अगर ऋणपत्र निर्गम पर हानि ₹1,20,000 है और प्रतिभूति प्रीमियम संचय में ₹1,00,000 हैं, तो लाभ व हानि विवरण से कितनी राशि अपलिखित होगी?

उत्तर – ₹20,000

प्रश्न 46 (मध्यम). वाई लिमिटेड ने ₹100 वाले 5,000 ऋणपत्र 5% बट्टे पर जारी किए। प्रतिभूति प्रीमियम संचय में ₹20,000 थे। अपलेखन की रोजनामचा प्रविष्टि दीजिए।

उत्तर – ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा = 5,000 * (100 * 5%) = ₹25,000. प्रतिभूति प्रीमियम संचय Dr. ₹20,000, लाभ व हानि विवरण Dr. ₹5,000, To ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा A/c ₹25,000.

प्रश्न 47 (कठिन). जेड लिमिटेड ने ₹50 वाले 20,000 ऋणपत्र 8% बट्टे पर निर्गमित किए और इनका शोधन 10% प्रीमियम पर होना है। कंपनी के पास प्रतिभूति प्रीमियम संचय में ₹50,000 का शेष है। हानि के अपलेखन की प्रविष्टि करें।

उत्तर – ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा = 20,000 * (50 * 8%) = ₹80,000. शोधन पर प्रीमियम = 20,000 * (50 * 10%) = ₹1,00,000. कुल हानि = ₹80,000 + ₹1,00,000 = ₹1,80,000. प्रतिभूति प्रीमियम संचय Dr. ₹50,000, लाभ व हानि विवरण Dr. ₹1,30,000, To ऋणपत्र निर्गम पर हानि A/c ₹1,80,000.

हल किए हुए उदाहरण (step-by-step)

उदाहरण 1. एक कंपनी ने 1000 ऋणपत्र जारी किए, प्रत्येक 100 रुपये का. इन पर 10% प्रति वर्ष ब्याज़ दिया जाएगा और 5 साल बाद पैसे वापस किए जाएंगे. यह कंपनी के लिए कैसे एक दीर्घकालिक वित्त का स्रोत है?

› कंपनी को कुल राशि मिली: 1000 ऋणपत्र × 100 रुपये/ऋणपत्र = 1,00,000 रुपये.

› यह 1,00,000 रुपये कंपनी के लिए 5 साल तक उपलब्ध रहेंगे, जिससे वह बड़े प्रोजेक्ट्स में निवेश कर सकती है.

› कंपनी को हर साल 1,00,000 रुपये पर 10% ब्याज़ यानी 10,000 रुपये देने होंगे.

› 5 साल के अंत में, कंपनी को ऋणपत्रधारकों को 1,00,000 रुपये वापस करने होंगे.

उत्तर – यह 1,00,000 रुपये की राशि 5 साल तक कंपनी के पास रहेगी, जिससे यह स्पष्ट होता है कि ऋणपत्र कंपनी के लिए एक दीर्घकालिक वित्त का स्रोत है.

उदाहरण 2. एक कंपनी ने ₹10 लाख के 10,000 अंश (₹100 प्रति अंश) और ₹5 लाख के 5000 ऋणपत्र (₹100 प्रति ऋणपत्र, 10% ब्याज) जारी किए. यदि कंपनी को बहुत अधिक लाभ होता है तो अंशधारक और ऋणपत्रधारक को क्या मिलेगा? यदि कंपनी को कोई लाभ नहीं होता, तो क्या होगा?

› पहला चरण: पहचानो कि अंशधारक कौन हैं और ऋणपत्रधारक कौन हैं. अंशधारक वे हैं जिन्होंने ₹100 प्रति अंश के हिसाब से अंश खरीदे हैं, ये कंपनी के मालिक हैं. ऋणपत्रधारक वे हैं जिन्होंने ₹100 प्रति ऋणपत्र के हिसाब से ऋणपत्र खरीदे हैं, ये कंपनी के लेनदार हैं.

› दूसरा चरण: जब कंपनी को 'अधिक लाभ' होता है, तो अंशधारकों को उनके स्वामित्व के कारण 'लाभांश' मिलेगा. यह लाभांश कंपनी के लाभ पर निर्भर करेगा, जितना ज़्यादा लाभ, उतना ज़्यादा लाभांश मिल सकता है. ऋणपत्रधारकों को 'निश्चित 10% ब्याज' मिलेगा, चाहे कंपनी को कितना भी लाभ हो, उनका ब्याज फिक्स है.

› तीसरा चरण: जब कंपनी को 'कोई लाभ नहीं' होता है, तब भी ऋणपत्रधारकों को उनका 10% ब्याज चुकाना ही पड़ेगा, क्योंकि ब्याज लाभ पर एक प्रभार है और इसका भुगतान अनिवार्य है. लेकिन, अंशधारकों को कोई 'लाभांश' नहीं मिलेगा, क्योंकि लाभांश केवल लाभ होने पर ही दिया जाता है.

उत्तर – अधिक लाभ पर: अंशधारकों को अधिक लाभांश; ऋणपत्रधारकों को 10% निश्चित ब्याज. कोई लाभ नहीं होने पर: अंशधारकों को कोई लाभांश नहीं; ऋणपत्रधारकों को फिर भी 10% निश्चित ब्याज मिलेगा.

उदाहरण 3. एक कंपनी ने 1000 ऋणपत्र जारी किए जिन पर कंपनी की बिल्डिंग गिरवी रखी गई थी और 5 साल बाद इन ऋणपत्रों का भुगतान कर दिया जाएगा. ये किस प्रकार के ऋणपत्र हैं?

› पहला, 'कंपनी की बिल्डिंग गिरवी रखी गई थी' मतलब यह सुरक्षित ऋणपत्र है. तो, यह 'रक्षित ऋणपत्र' है.

› दूसरा, '5 साल बाद भुगतान कर दिया जाएगा' मतलब इसकी एक निश्चित अवधि है. तो, यह 'मोचनीय ऋणपत्र' है.

उत्तर – यह 'रक्षित मोचनीय ऋणपत्र' है.

उदाहरण 4. एक्सवायजेड लिमिटेड ने ₹100 वाले 5,000 ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए। आवेदन पर ₹40 और आबंटन पर शेष राशि देय थी। सभी ऋणपत्रों के लिए आवेदन प्राप्त हुए और राशियाँ समय पर मिलीं। जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए।

› पहला कदम: आवेदन राशि मिलने पर – 5,000 ऋणपत्र x ₹40 = ₹2,00,000.

› जर्नल एंट्री होगी: बैंक खाता डेबिट ₹2,00,000, ऋणपत्र आवेदन खाता क्रेडिट ₹2,00,000।

› दूसरा कदम: आवेदन राशि को ऋणपत्र खाते में हस्तांतरित करने पर।

› जर्नल एंट्री: ऋणपत्र आवेदन खाता डेबिट ₹2,00,000, 10% ऋणपत्र खाता क्रेडिट ₹2,00,000।

› तीसरा कदम: आबंटन राशि देय होने पर – शेष राशि = ₹100 - ₹40 = ₹60 प्रति ऋणपत्र।

› 5,000 ऋणपत्र x ₹60 = ₹3,00,000।

› जर्नल एंट्री: ऋणपत्र आबंटन खाता डेबिट ₹3,00,000, 10% ऋणपत्र खाता क्रेडिट ₹3,00,000।

› चौथा कदम: आबंटन राशि मिलने पर।

› जर्नल एंट्री: बैंक खाता डेबिट ₹3,00,000, ऋणपत्र आबंटन खाता क्रेडिट ₹3,00,000।

उत्तर – कुल जर्नल प्रविष्टियाँ इस प्रकार होंगी:

1. बैंक A/c Dr. 2,00,000 / To Debenture Application A/c 2,00,000

2. Debenture Application A/c Dr. 2,00,000 / To 10% Debenture A/c 2,00,000

3. Debenture Allotment A/c Dr. 3,00,000 / To 10% Debenture A/c 3,00,000

4. Bank A/c Dr. 3,00,000 / To Debenture Allotment A/c 3,00,000

उदाहरण 5. टीवी कंपोनेंट्स लिमिटेड ने 10,000, 12% ऋणपत्र (प्रत्येक ₹100 का) 5% बट्टे पर जारी किए। आवेदन पर ₹40 और आबंटन पर ₹55 (बट्टे सहित) देय हैं। जर्नल एंट्री करें।

› पहले बट्टे की राशि निकालें: ₹100 का 5% = ₹5 प्रति ऋणपत्र।

› आवेदन पर प्राप्त राशि: 10,000 ऋणपत्र × ₹40 = ₹4,00,000।

› बैंक खाता डेबिट ₹4,00,000, 12% ऋणपत्र आवेदन खाता क्रेडिट ₹4,00,000।

› आवेदन की राशि को ऋणपत्र खाते में ट्रांसफर करें: 12% ऋणपत्र आवेदन खाता डेबिट ₹4,00,000, 12% ऋणपत्र खाता क्रेडिट ₹4,00,000।

› आबंटन पर देय राशि और बट्टा: कुल आबंटन ₹55 है। अंकित मूल्य पर आबंटन ₹55 + ₹5 बट्टा = ₹60 होना चाहिए था। लेकिन हमें तो ₹55 मिल रहे हैं, जिसमें बट्टा शामिल है।

› तो, 12% ऋणपत्र आबंटन खाता डेबिट (10,000 × ₹55) = ₹5,50,000।

› ऋणपत्र के निर्गम पर बट्टा खाता डेबिट (10,000 × ₹5) = ₹50,000।

› 12% ऋणपत्र खाता क्रेडिट (10,000 × ₹60) = ₹6,00,000। (यह कुल अंकित मूल्य है जो ऋणपत्र खाते में जाएगा)।

› बैंक में आबंटन राशि प्राप्त होने पर: बैंक खाता डेबिट ₹5,50,000, 12% ऋणपत्र आबंटन खाते से क्रेडिट ₹5,50,000।

› बट्टे का अपलेखन करें: प्रतिभूति प्रीमियम संचय / लाभ व हानि का विवरण खाता डेबिट ₹50,000, ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाते से क्रेडिट ₹50,000।

उत्तर – जर्नल एंट्रीज़ उपरोक्त चरणों के अनुसार होंगी, जिसमें आवेदन पर ₹4,00,000, आबंटन पर ₹5,50,000 प्राप्त होंगे और ₹50,000 का बट्टा अपलिखित किया जाएगा।

उदाहरण 6. X Limited ने ₹100 वाले 5,000, 10% ऋणपत्र ₹10 प्रति ऋणपत्र प्रीमियम पर निर्गमित किए. आवेदन पर ₹25, आबंटन पर ₹45 (प्रीमियम सहित), और प्रथम व अंतिम मांग पर ₹40 देय थे. सभी ऋणपत्रों का पूर्ण अभिदान हुआ और सारी राशि प्राप्त हो गई. कंपनी की जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए.

› **1. आवेदन राशि प्राप्त होने पर:**

› बैंक खाता Dr. (5,000 ऋणपत्र * ₹25) = ₹1,25,000

› 10% ऋणपत्र आवेदन खाते से = ₹1,25,000

› (आवेदन पर राशि प्राप्त होने पर)

› **2. आवेदन राशि को ऋणपत्र खाते में हस्तांतरित करने पर:**

› 10% ऋणपत्र आवेदन खाता Dr. = ₹1,25,000

› 10% ऋणपत्र खाते से = ₹1,25,000

› (आवेदन राशि का ऋणपत्र खाते में हस्तांतरण)

› **3. आबंटन राशि देय होने पर (प्रीमियम सहित):**

› 10% ऋणपत्र आबंटन खाता Dr. (5,000 ऋणपत्र * ₹45) = ₹2,25,000

› 10% ऋणपत्र खाते से (5,000 ऋणपत्र * ₹35) = ₹1,75,000

› प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते से (5,000 ऋणपत्र * ₹10) = ₹50,000

› (प्रीमियम सहित आबंटन राशि देय होने पर)

› **4. आबंटन राशि प्राप्त होने पर:**

› बैंक खाता Dr. = ₹2,25,000

› 10% ऋणपत्र आबंटन खाते से = ₹2,25,000

› (आबंटन राशि प्राप्त होने पर)

› **5. प्रथम व अंतिम मांग राशि देय होने पर:**

› 10% ऋणपत्र प्रथम एवं अंतिम मांग खाता Dr. (5,000 ऋणपत्र * ₹40) = ₹2,00,000

› 10% ऋणपत्र खाते से = ₹2,00,000

› (प्रथम व अंतिम मांग राशि देय होने पर)

› **6. प्रथम व अंतिम मांग राशि प्राप्त होने पर:**

› बैंक खाता Dr. = ₹2,00,000

› 10% ऋणपत्र प्रथम एवं अंतिम मांग खाते से = ₹2,00,000

› (प्रथम व अंतिम मांग राशि प्राप्त होने पर)

उत्तर – सभी जर्नल प्रविष्टियाँ ऊपर दर्शायी गई हैं, जिसमें प्रीमियम की राशि को प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते में क्रेडिट किया गया है.

उदाहरण 7. एक्स लिमिटेड ने ₹100 प्रति ऋणपत्र पर 10,000, 10% ऋणपत्र निर्गमित किए। आवेदन पर ₹40 और आबंटन पर ₹60 देय थे। जनता ने 14,000 ऋणपत्रों के लिए आवेदन किया। कंपनी ने 9,000 ऋणपत्रों के आवेदनों को पूर्ण स्वीकार किया, 2,000 ऋणपत्रों के आवेदनों पर 1,000 ऋणपत्र आबंटित किए (प्रो-राटा), और शेष आवेदनों को अस्वीकार कर दिया। सभी राशियाँ यथासमय प्राप्त हुईं। आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दें।

› पहला कदम, आवेदन पर प्राप्त राशि की एंट्री: बैंक खाता डेबिट 14,000 ऋणपत्रों पर ₹40 के हिसाब से (14,000 * 40 = ₹5,60,000), 'ऋणपत्र आवेदन खाते' को क्रेडिट।

› दूसरा कदम, आवेदन राशि का समायोजन: 'ऋणपत्र आवेदन खाता' डेबिट ₹5,60,000.

› अब इसे अलग-अलग जगह भेजेंगे:

› 10% ऋणपत्र खाते में क्रेडिट: केवल जारी किए गए 10,000 ऋणपत्रों पर ₹40 के हिसाब से (10,000 * 40 = ₹4,00,000).

› ऋणपत्र आबंटन खाते में क्रेडिट: जो प्रो-राटा वाले आवेदन थे (2,000 के लिए 1,000 दिए), उनका अतिरिक्त पैसा (1,000 * 40 = ₹40,000) आबंटन पर एडजस्ट होगा.

› बैंक खाते में क्रेडिट: जो आवेदन अस्वीकार किए गए (कुल 14,000 आवेदन - 9,000 पूर्ण स्वीकृत - 2,000 प्रो-राटा = 3,000 अस्वीकृत), उनकी राशि वापस कर दी जाएगी (3,000 * 40 = ₹1,20,000).

› तीसरा कदम, आबंटन पर देय राशि: 'ऋणपत्र आबंटन खाता' डेबिट 10,000 ऋणपत्रों पर ₹60 के हिसाब से (10,000 * 60 = ₹6,00,000), '10% ऋणपत्र खाते' को क्रेडिट.

› चौथा कदम, आबंटन पर प्राप्त राशि: बैंक खाता डेबिट. कुल ₹6,00,000 मिलने थे, लेकिन पहले से ₹40,000 मिल चुके थे (प्रो-राटा एडजस्टमेंट), तो अब मिलेंगे ₹6,00,000 - ₹40,000 = ₹5,60,000. 'ऋणपत्र आबंटन खाते' को क्रेडिट ₹5,60,000.

उत्तर – जर्नल प्रविष्टियाँ: (जैसा कि ऊपर के स्टेप्स में समझाया गया है, अंतिम शेष बैंक में ₹5,60,000 क्रेडिट होंगे).

उदाहरण 8. आशीर्वाद कंपनी लिमिटेड ने 2,00,000 रुपये की परिसंपत्तियाँ खरीदीं। भुगतान के लिए कंपनी ने 100 रुपये वाले 10% ऋणपत्र सममूल्य पर जारी किए। आशीर्वाद कंपनी की पुस्तकों में आवश्यक रोज़नामचा प्रविष्टियाँ कीजिए।

› पहला कदम: परिसंपत्तियों के खरीद की एंट्री। कंपनी ने परिसंपत्तियाँ खरीदीं, तो 'विविध परिसंपत्तियाँ खाता' डेबिट होगा और विक्रेता (वेंडर) क्रेडिट होगा। यहाँ विक्रेता का नाम नहीं दिया है, तो हम 'विक्रेता' या 'वेंडर' खाते का उपयोग करेंगे।

› प्रविष्टि: विविध परिसंपत्तियाँ खाता डेबिट 2,00,000 रुपये से, विक्रेता खाता क्रेडिट 2,00,000 रुपये से।

› दूसरा कदम: ऋणपत्र जारी करने की एंट्री। अब हमें विक्रेता को भुगतान करना है। चूंकि हमने उसे ऋणपत्र दिए हैं, तो 'विक्रेता खाता' डेबिट होगा और '10% ऋणपत्र खाता' क्रेडिट होगा। क्योंकि ये सममूल्य पर जारी किए गए हैं, कोई प्रीमियम या बट्टा नहीं होगा।

› प्रविष्टि: विक्रेता खाता डेबिट 2,00,000 रुपये से, 10% ऋणपत्र खाता क्रेडिट 2,00,000 रुपये से।

› यह संख्या निकालना भी जरूरी है कि कितने ऋणपत्र जारी किए गए। कुल क्रय प्रतिफल ₹2,00,000 है और एक ऋणपत्र की कीमत ₹100 है, तो 2,00,000 / 100 = 2,000 ऋणपत्र जारी किए गए।

उत्तर – जर्नल एंट्रीज़ होंगी:

1. विविध परिसंपत्तियाँ खाता डेबिट 2,00,000 रुपये
विक्रेता खाता क्रेडिट 2,00,000 रुपये
(परिसंपत्ति खरीदने पर)

2. विक्रेता खाता डेबिट 2,00,000 रुपये
10% ऋणपत्र खाता क्रेडिट 2,00,000 रुपये
(विक्रेता को 2,000 ऋणपत्र सममूल्य पर जारी करने पर)

उदाहरण 9. रमन लिमिटेड ने पंजाब नेशनल बैंक से 5,00,000 रुपये का ऋण लिया। कंपनी ने बैंक को संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में 6,000, 10% ऋणपत्र, प्रत्येक 100 रुपये का, जारी किए। इन ऋणपत्रों के निर्गमन को कंपनी की पुस्तकों में दो विधियों से दर्शाएं।

› विधि 1 (जब कोई जर्नल एंट्री नहीं की जाती):

› इसमें कंपनी की जर्नल बुक में कोई एंट्री नहीं होती।

› इसे बैलेंस शीट में 'दीर्घकालीन ऋण' के नोट टू अकाउंट्स (Notes to Accounts) में दर्शाया जाता है।

› उदाहरण के लिए, नोट टू अकाउंट्स में 'रक्षित बैंक ऋण' (5,00,000) के नीचे एक टिप्पणी लिखी जाती है: '(6,000, 10% ऋणपत्र, 100 रुपये प्रत्येक का संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में निर्गमन)'।

› विधि 2 (जब जर्नल एंट्री की जाती है):

› पहला कदम: संपार्श्विक प्रतिभूति के लिए ऋणपत्र जारी करने पर एंट्री करते हैं:

› ऋणपत्र उचंती खाता (Debenture Suspense A/c) डेबिट होगा 6,00,000 रुपये से (6,000 * 100).

› 10% ऋणपत्र खाते से (To 10% Debentures A/c) क्रेडिट होगा 6,00,000 रुपये से।

› यह एंट्री केवल तब की जाती है जब हम ऋणपत्रों को संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में दिखाते हैं।

› दूसरा कदम: बैलेंस शीट में प्रदर्शन:

› बैलेंस शीट में 'दीर्घकालीन ऋण' के नीचे 'रक्षित बैंक ऋण' (5,00,000) लिखा जाएगा।

› इसके नीचे घटाया जाएगा 'ऋणपत्र उचंती खाता' (6,00,000)।

› चूँकि ऋणपत्र उचंती खाता और ऋणपत्र खाता दोनों एक ही मूल्य के होते हैं (और ऋणपत्र उचंती को ऋणपत्र खाते से घटाया जाता है), तो यह नेट प्रभाव शून्य दिखाएगा, और बैलेंस शीट में सिर्फ बैंक ऋण 5,00,000 रुपये ही दिखेगा।

› अगर कंपनी ऋण चुका देती है, तो यही एंट्री उलटी कर दी जाती है।

उत्तर – विधि 1 में कोई जर्नल एंट्री नहीं होती, बस बैलेंस शीट के नोट में टिप्पणी जुड़ती है। विधि 2 में ऋणपत्र उचंती खाता डेबिट और ऋणपत्र खाता क्रेडिट होता है, और बैलेंस शीट में ऋणपत्र उचंती को ऋणपत्रों के मूल्य से घटाया जाता है।

उदाहरण 10. एक्स लिमिटेड ने 100 रुपये प्रत्येक वाले 1,00,000 रुपये के 9% ऋणपत्र 5% बट्टे पर निर्गमित किए और 5% प्रीमियम पर मोचन किया। जर्नल प्रविष्टियाँ दें।

› पहला चरण, आवेदन राशि प्राप्त करने की एंट्री करेंगे। ऋणपत्र 5% बट्टे पर जारी हुए हैं, मतलब 100 - 5 = 95 रुपये प्रति ऋणपत्र मिलेगा।

› बैंक खाता Dr. 95,000 रुपये से (1,00,000 * 95/100)

› 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से Cr. 95,000 रुपये से

› दूसरा चरण, ऋणपत्रों के आबंटन और मोचन पर प्रीमियम की एंट्री करेंगे।

› 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता Dr. 95,000 रुपये से

› ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि खाता Dr. 10,000 रुपये से (बट्टा 5,000 रुपये + मोचन प्रीमियम 5,000 रुपये)

› 9% ऋणपत्र खाते से Cr. 1,00,000 रुपये से (अंकित मूल्य)

› ऋणपत्रों के मोचन पर प्रीमियम खाते से Cr. 5,000 रुपये से (मोचन प्रीमियम)

उत्तर – जर्नल प्रविष्टियाँ: बैंक खाता Dr. 95,000, 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाते से Cr. 95,000; और 9% ऋणपत्र आवेदन एवं आबंटन खाता Dr. 95,000, ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि खाता Dr. 10,000, 9% ऋणपत्र खाते से Cr. 1,00,000, ऋणपत्रों के मोचन पर प्रीमियम खाते से Cr. 5,000।

उदाहरण 11. 1 अप्रैल, 2023 को एक कंपनी ने ₹10,00,000 के 10% ऋणपत्र जारी किए। ब्याज का भुगतान 30 सितंबर और 31 मार्च को अर्ध-वार्षिक रूप से किया जाता है। TDS की दर 10% है। 30 सितंबर, 2023 के लिए आवश्यक जर्नल प्रविष्टियाँ दें।

› 1. सबसे पहले, 6 महीने का ब्याज निकालेंगे: ₹10,00,000 * 10% * (6/12) = ₹50,000

› 2. अब, इस ब्याज पर 10% TDS काटेंगे: ₹50,000 * 10% = ₹5,000

› 3. ऋणपत्र धारकों को देय राशि होगी: ₹50,000 - ₹5,000 = ₹45,000

› 4. ब्याज देय होने की एंट्री (30 सितंबर, 2023):

› Debenture Interest A/c Dr. ₹50,000

› To Debenture Holders A/c ₹45,000
› To TDS Payable A/c ₹5,000
› (Being debenture interest due)
› 5. ऋणपत्र धारकों को भुगतान की एंट्री (30 सितंबर, 2023):
› Debenture Holders A/c Dr. ₹45,000
› To Bank A/c ₹45,000
› (Being interest paid to debenture holders)
› 6. TDS सरकार को जमा करने की एंट्री (यह अगले महीने की 7 तारीख तक करना होता है, पर हम मान लेते हैं कि उसी दिन कर दिया):
› TDS Payable A/c Dr. ₹5,000
› To Bank A/c ₹5,000
› (Being TDS deposited to government)

उत्तर – 30 सितंबर, 2023 की जर्नल प्रविष्टियाँ ऊपर दी गई हैं, जिसमें ब्याज देय होने, भुगतान करने और TDS जमा करने की एंट्री शामिल है।

उदाहरण 12. एक्स लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2023 को ₹100 वाले 10,000 ऋणपत्र 10% बट्टे पर निर्गमित किए। ऋणपत्रों का शोधन 5 वर्ष बाद सममूल्य पर होगा। कंपनी के पास प्रतिभूति प्रीमियम संचय में ₹60,000 का शेष है। ऋणपत्र निर्गम पर बट्टे के अपलेखन की रोजनामचा प्रविष्टि दीजिए।

› पहला कदम: ऋणपत्र निर्गम पर बट्टे की कुल राशि ज्ञात करेंगे। 10,000 ऋणपत्र * ₹100 प्रति ऋणपत्र = ₹10,00,000 कुल अंकित मूल्य। 10% बट्टा मतलब ₹10 प्रति ऋणपत्र। तो कुल बट्टा = 10,000 * ₹10 = ₹1,00,000.

› दूसरा कदम: अपलेखन के लिए सबसे पहले प्रतिभूति प्रीमियम संचय का उपयोग करेंगे। हमारे पास ₹60,000 का प्रीमियम संचय है। तो, हम ₹60,000 को प्रतिभूति प्रीमियम संचय से अपलिखित करेंगे।

› तीसरा कदम: बट्टे की कुल राशि ₹1,00,000 थी। ₹60,000 प्रीमियम संचय से ले लिए। अब बची हुई राशि = ₹1,00,000 - ₹60,000 = ₹40,000। इस बची हुई ₹40,000 की राशि को हम लाभ व हानि विवरण से अपलिखित करेंगे।

› चौथा कदम: अब इसकी रोजनामचा प्रविष्टि बनाएंगे।
› प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाता डेबिट ₹60,000
› लाभ व हानि विवरण खाता डेबिट ₹40,000
› ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता क्रेडिट ₹1,00,000
› (ऋणपत्र निर्गम पर बट्टे का अपलेखन किया गया)

उत्तर – प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाता डेबिट ₹60,000, लाभ व हानि विवरण खाता डेबिट ₹40,000, ऋणपत्र निर्गम पर बट्टा खाता क्रेडिट ₹1,00,000।

बोर्ड परीक्षा के लिए ख़ास

• ऋणपत्र की परिभाषा, विशेषताएं और अंशों से इसके अंतर को अच्छी तरह समझना, क्योंकि यह बोर्ड परीक्षा में अक्सर पूछा जाता है.

• बोर्ड परीक्षा में, अंश और ऋणपत्र के बीच कम से कम 4-5 अंतरों को स्पष्ट रूप से समझाकर लिखो. हर अंतर को अलग-अलग बिंदु में लिखना और एक-एक वाक्य में विस्तार से बताना, अच्छे अंक दिलाएगा.

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! अक्सर सुरक्षा और अवधि के आधार पर ऋणपत्रों के बीच अंतर पूछा जाता है, तो इन दोनों पर खास ध्यान देना.

• ऋणपत्र निर्गमन की जर्नल प्रविष्टियाँ बोर्ड एग्ज़ाम में अक्सर पूछी जाती हैं, खासकर जब राशि किस्तों में मिलती हो. एंट्रीज़ के क्रम और राशि का विशेष ध्यान रखें.

• यह अवधारणा बोर्ड परीक्षाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! बट्टे की राशि की गणना और उसकी जर्नल एंट्री, साथ ही उसका अपलेखन, इन पर आधारित प्रश्न अक्सर आते हैं. जर्नल एंट्रीज़ का क्रम और बट्टे को डेबिट करना मत भूलना.

• प्रीमियम की राशि को हमेशा प्रतिभूति प्रीमियम संचय खाते में क्रेडिट करना याद रखें, यह एक महत्वपूर्ण खाता है और अक्सर जर्नल प्रविष्टियों और बैलेंस शीट दोनों में पूछा जाता है.

• अधिविभाजन के प्रश्नों में जर्नल प्रविष्टियों में राशि का समायोजन और वापसी वाला हिस्सा बहुत महत्वपूर्ण होता है, खासकर प्रो-राटा आबंटन वाले सवाल बोर्ड परीक्षा में अक्सर आते हैं। इन पर बहुत अभ्यास करना!

• यह टॉपिक बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है! इसमें से कम से कम एक बड़ा प्रश्न ज़रूर आता है, खासकर ख्याति (Goodwill) या पूँजी आरक्षति (Capital Reserve) के केस वाला, इसलिए इसकी एंट्रीज को अच्छे से समझ लो।

• संपार्श्विक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्रों के निर्गमन को बैलेंस शीट में कैसे दर्शाते हैं, यह बोर्ड परीक्षाओं में अक्सर पूछा जाता है। दोनों विधियों का प्रदर्शन ध्यान से सीखिए।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा में अक्सर 6 से 8 अंकों के बड़े प्रश्नों में आता है। सभी 6 स्थितियों की जर्नल प्रविष्टियों को ठीक से याद करना और समझना बहुत महत्वपूर्ण है। खासकर 'ऋणपत्रों के निर्गम पर हानि' खाता कब और कैसे डेबिट होता है, इस पर विशेष ध्यान दें।

• बेटा, ये ऋणपत्रों पर ब्याज की एंट्रीज बोर्ड एग्जाम में अक्सर आती हैं। TDS वाला पॉइंट और P&L में ट्रांसफर करना मत भूलना, पूरे नंबर मिलेंगे।

• यह विषय बोर्ड परीक्षा के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। अक्सर इस पर जर्नल एंट्री या पूरी हानि की गणना करने वाले प्रश्न आते हैं। हमेशा ध्यान रखना कि पहले प्रतिभूति प्रीमियम संचय का पूरा उपयोग करना है, और फिर अगर ज़रूरत पड़े, तो लाभ व हानि विवरण पर जाना है।

एक नज़र में रिवीज़न

› ऋणपत्र: कंपनी का दीर्घकालिक ऋण, निश्चित ब्याज़, वापसी अवधि.

› अंश = स्वामित्व, लाभांश, मतदान; ऋणपत्र = ऋणदाता, निश्चित ब्याज, कोई मतदान नहीं.

› ऋणपत्र सुरक्षा, अवधि, परिवर्तनीयता, कूपन दर, पंजीकरण के आधार पर वर्गीकृत होते हैं.

› ऋणपत्रों का सममूल्य निर्गमन: अंकित मूल्य पर बेचना, नकद के लिए.

› बट्टे पर निर्गम: अंकित मूल्य से कम पर; बट्टे का अपलेखन अनिवार्य।

› प्रीमियम पर निर्गमन = अंकित मूल्य से अधिक पर जारी; प्रीमियम राशि प्रतिभूति प्रीमियम संचय में.

› अधिविभाजन = प्रस्तावित से अधिक आवेदन; अतिरिक्त राशि वापसी/समायोजन।

› रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल पर ऋणपत्र - परिसंपत्ति/व्यवसाय खरीद के बदले ऋणपत्र जारी करना।

› बैंक ऋण की अतिरिक्त सुरक्षा हेतु ऋणपत्र, दो विधियों से लेखांकन (नोट या उचंती खाता)

› निर्गम और मोचन की 6 स्थितियाँ, मोचन पर प्रीमियम मतलब निर्गम पर हानि।

› ऋणपत्र ब्याज: देय (TDS सहित), भुगतान, TDS जमा, P&L में ट्रांसफर।

› ऋणपत्र बट्टा/हानि का अपलेखन: पहले SPR से, फिर P&L से.